समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

चीन के शीर्ष जनरल पर गंभीर आरोप — न्यूक्लियर सीक्रेट लीक के तहत जांच

Publisher
Published on 28 Jan 2026

चीन के **सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों मे से एक, जनरल झांग यूक्सिया**, जो **चीन की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (CMC)** के वाइस-चेयरमैन और राष्ट्रपति **शी जिनपिंग** के एक लंबे समय तक करीबी सहयोगी रहे हैं, **गंभीर जांच के दायरे मे आ गए है** । इस कदम ने न केवल चीन के सैन्य नेतृत्व में भूचाल मचा दिया है बल्कि **क्षेत्रीय सुरक्षा के माहौल को भी प्रभावित किया है** ।

चीन के रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि झांग और CMC के स्टाफ चीफ **लियू झेनली** को "गंभीर अनुशासन और क़ानून उल्लंघन" के आरोपों के चलते जांच के लिए तलब किया गया है, हालांकि विस्तृत आरोप सार्वजनिक नहीं किए गए हैं ।

क्या आरोप लग रहे है ?

अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, झांग पर आरोपों में शामिल हैं:

- **न्यूक्लियर हथियारों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी संयुक्त राज्य अमेरिका को लीक करना,**
- खुद के पक्ष में आगे बढ़ने के लिए **दुरुपयोग और रिश्वत लेना,**
- और सेना के भीतर **प्रभाव-खेत मैकेनिज़्म बनाना ।**

हालाँकि चीनी अधिकारियों ने न्यूक्लियर डेटा लीक वाले आरोपों पर सीधे पुष्टि नहीं की है, यह मामला चीन के सेना के शीर्ष स्तर पर **विश्वसनीयता और नियंत्रण** जैसे सवाल खड़े कर रहा है ।

ताइवान की चिंता क्यों ?

ताइपे में ताइवान के रक्षा मंत्री **वेलिंगटन कू** ने कहा है कि चीन की सैन्य नेतृत्व में होने वाले "**असामान्य बदलाव**" को वे करीब से देख रहे हैं और उसकी निगरानी जारी रखेंगे । ताइवान का मानना है कि चीन ने **कभी भी ताइवान के खिलाफ बल प्रयोग करने**

की संभावना को खारिज नहीं किया है, इसलिए किसी भी अप्रत्याशित सैन्य या राजनीतिक बदलाव को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

ताइवान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह बदलाव एक **सिर्फ़ नेतृत्व मे बंदलाव नहीं** है, बल्कि इसके **चीन की सैन्य रणनीति, नीति-निर्णय और अमेरिका-ताइवान प्रत्यक्षियों पर असर** पड़ सकता है, इसलिए ताइवान अपने [illegible], [illegible] [illegible] और [illegible] [illegible] [illegible] को मजबूत रखेगा।

क्या यह सिर्फ भ्रष्टाचार जांच है ?

विश्लेषकों का मानना है कि झांग यूक्सिया के खिलाफ यह कदम चीनी नेतृत्व के भीतर **आंतरिक शक्ति संघर्ष**, **विश्वास और नियंत्रण सुनिश्चित करने की कोशिश** भी हो सकता है। चीन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के खिलाफ **एंटी-करप्शन मुहिम** का यह हिस्सा माना जा रहा है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में सेना के शीर्ष स्तर पर व्यापक सफ़ाई जारी रखी है।

क्या इसके प्रभाव हो सकते है ?

- चीन के सैन्य निर्णय-निर्माण में **उत्पन्न अस्थिरता**,
- अमेरिका-चीन संबंधों पर **दबाव**,
- ताइवान के निकट भविष्य के **सुरक्षा और निगरानी रणनीति पर नई समीक्षा**।

चीन के शीर्ष सैन्य नेतृत्व में यह सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है और आने वाले दिनों में विश्व समुदाय, विशेष रूप से **अमेरिका, ताइवान और एशिया-प्रशांत क्षेत्र**, इसके प्रभाव को गहराई से देखेंगे।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.